**केन्द्रीय विद्यालय रोहतक**

**हिन्दी पखवाड़े का आयोजन**

**केन्द्रीय विद्यालय संगठन के निर्देशानुसार केन्द्रीय विद्यालय रोहतक में दिनांक 01/09/2023 से 15/09/2023 तक हिन्दी पखवाड़े का आयोजन किया गया ताकि राष्ट्रभाषा हिन्दी को समुचित सम्मान मिले तथा वह भारत की सामासिक संस्कृति के सब तत्त्वों की अभिव्यक्ति का माध्यम बन सके |**

**01 सितम्बर को प्राचार्य महोदय श्री सुरेन्द्र ने अपना संदेश प्रेषित कर पखवाड़े का उद्घाटन किया | उन्होंने विद्यालय परिवार को हिन्दी भाषा के प्रगामी प्रयोग एवं प्रचार-प्रसार के लिए उत्साहित किया | समस्त कार्मिकों को जाँच-बिंदुओ के अनुपालन का निर्देश दिया |**

**पखवाड़े के दौरान प्रार्थना सभा के सभी कार्यक्रम हिन्दी में प्रस्तुत किए गए | इसके अतिरिक्त हिन्दी कविता-वाचन , भाषण, गीत, सूक्ति लेखन, कहानी वाचन, श्लोक, निबंध, प्रश्नोत्तरी आदि अनेक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए | दिनांक 08 सितम्बर को हिंदी प्रश्नोत्तरी का आयोजन हुआ जिसमें मुहावरों के रोचक प्रश्न पूछे गए | 12 सितम्बर को सूक्ति लेखन प्रतियोगिता हुई, जिसमें माध्यमिक विभाग के विद्यार्थियों ने भाग लिया | 14 सितम्बर को हिंदी-दिवस मनाया गया, जिसमें कविता-वाचन प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने बढ़- चढकर भाग लिया |**

**हिंदी पखवाड़े के दौरान भाषा की सृजनात्मकता एवं सौन्दर्यपरक संवेदना उत्पन्न करने के लिए शिक्षकों ने भी अपने विचार प्रकट किए | प्रेरक-वाक्यों और सूक्तियों को विद्यालय वेबसाइट व सोशल मीडिया के माध्यम से प्रदर्शित किया गया |**

**पखवाड़े के अंतिम दिन प्रतियोगिताओं के परिणामों की घोषणा की गई तथा स्टाफ़ सदस्यों को राजभाषा अधिनियम 1963, राजभाषा नियम 1976 व अन्य राजभाषा नियमों से परिचित कराया गया | यह सुनिश्चित किया गया कि विद्यालय के सभी उपकरण द्विभाषी हैं | विद्यालय के सभी कर्मचारी हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान रखते हैं | राजभाषा नियम 1976 के अनुसार विद्यालय 27 मई 2008 से भारत के राजपत्र में अधिसूचित है तथा हिंदी पत्राचार की स्थिति में भी उत्तरोत्तर वृद्धि हो रही है |**

**नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति रोहतक की छमाही बैठकों में विद्यालय की सहभागिता रहती है | नराकास द्वारा आयोजित प्रतियोगिताओं तथा कार्यशालाओं में भी भाग लिया जाता है, जिनमे अनेक बार विद्यालय को प्रथम पुरस्कार भी मिला है | भाषा की साहित्यिक समृद्धि के लिए नराकास की पत्रिका ‘रोहितवाणी’ में भी हमारा योगदान रहता है | विद्यालय प्राचार्य के सजग संरक्षण में राजभाषा हिंदी का परिवेश पल्लवित हो रहा है |**

